RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 295
दि. 26.02.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

नेतन्याहू ने बताया 'एशिया का शेर' तो पीएम मोदी बोले- इजरायल फादर लैंड, इंडिया मदरलैंड

(जीएनएस)।

इजरायली संसद नेसेट में मोदी-मोदी के नारों के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ऐतिहासिक संबोधन में भारत-इजरायल की दोस्ती को याद किया और गाजा शांति पहल का समर्थन किया. दो दिन की इजरायल यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जोरदार स्वागत किया गया. इजरायली संसद नेसेट में मोदी-मोदी के नारों के बीच पीएम मोदी ने अपने ऐतिहासिक संबोधन में भारत और इजरायल की दोस्ती को याद किया और कहा कि हम हर मुश्किल वक्त में एकदूसरे के साथ खड़े हैं. भारत ने हमेशा इजरायल का सपोर्ट किया है. उन्होंने गाजा शांति पहल को पूरे क्षेत्र के लिए न्यायपूर्ण और स्थायी शांति का मार्ग बताया. पीएम मोदी ने बताया 17 सितंबर, 1950 को जिस दिन मेरा जन्म हुआ, उसी दिन भारत ने इजरायल को मान्यता दी थी. पीएम ने इजरायल को फादर लैंड और इंडिया को मदरलैंड बताया और कहा कि हमें इस पर गर्व है.

इससे पहले, इजरायली संसद में नेतन्याहू ने अपने संबोधन में पीएम मोदी को दोस्त से बढ़कर एक भाई की तरह बताया. उन्होंने पीएम मोदी को एशिया का शेर बताते हुए उनके गले लगाने के तौर-तरीके की तारीफ करते हुए कहा कि इसने भारत-इजरायल संबंधों को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई है. पीएम मोदी जब इजरायल की संसद पहुंचे तो मोदी-मोदी के नारों के साथ उनका स्वागत किया गया. प्रधानमंत्री के संबोधन के आखिर में भी इजरायली संसद नेसेट मोदी-मोदी के नारों से गूंज उठी. इजरायली सांसदों में पीएम मोदी से हाथ मिलाने की होड़ नजर आई.

इजरायली संसद में पीएम मोदी को कई बार स्टैंडिंग ओवेशन दिया गया. इस दौरान जय हिंद और वंदे मातरम की गूंज भी सुनाई दी. पीएम मोदी को नेसेट का सर्वोच्च सम्मान भी प्रदान किया गया. इससे पहले पीएम मोदी के तेल अवीव पहुंचने पर नेतन्याहू अपनी पत्नी के साथ अगवानी के लिए पहुंचे और नेतन्याहू ने गले लगाकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया.

पीएम मोदी का इजराइल के प्रधानमंत्री द्वारा भव्य स्वागत

तेल अवीव: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इज़राइल पहुंचे इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी पत्नी सारा नेतन्याहू के साथ एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आज अपनी राजकीय यात्रा पर इजराइल पहुंचे। तेल अवीव हवाई अड्डे पर विशेष सम्मान के रूप में, इजराइल के प्रधानमंत्री महामहिम बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी श्रीमती सारा नेतन्याहू ने खुद वहां पहुंचकर पीएम मोदी की अगवानी की और उनका औपचारिक स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम के बाद, दोनों पीएम के बीच एक संक्षिप्त व्यक्तिगत बैठक हुई। इसके बाद जब पीएम मोदी होटल पहुँचे, तो वहाँ मौजूद भारतीय प्रवासियों और यहूदी-भारतीय समुदाय के लोगों ने बड़े उत्साह के साथ पीएम मोदी का अभिनंदन किया। इस मौके पर भारत और इजराइल के कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी, जो दोनों देशों के गहरे रिश्तों का प्रतीक है।

'दंगे-कर्फ्यू से आगे बढ़कर दीपोत्सव और निवेश की पहचान बना यूपी': टोक्यो में बोले सीएम योगी

सीएम योगी आदित्यनाथ ने जापान के टोक्यो में निवेशकों और भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अब दंगे और कर्फ्यू से आगे बढ़कर दीपोत्सव और वैश्विक निवेश की पहचान बन चुका है।

लखनऊः (जीएनएस)। जापान दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टोक्यो में भारतीय समुदाय और निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अब दंगे और कर्फ्यू की खबरों से आगे बढ़कर दीपोत्सव, महाकुंभ और वैश्विक निवेश की पहचान बन चुका है। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में प्रदेश ने कानून-व्यवस्था, आधारभूत संरचना और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव देखा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले प्रदेश में कनेक्टिविटी का संकट था, सड़कें जर्जर थीं और बिजली आपूर्ति बाधित रहती थी। 'हम सूर्यपुत्र हैं, हमें सूर्य जैसी रोशनी चाहिए,' कहते हुए उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने प्रदेश में चौबीसों घंटे बिजली और बेहतर कानून-व्यवस्था सुनिश्चित की है।

कार्यक्रम में गूंजे 'योगी-योगी' के नारे

टोक्यो में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। हजारों किलोमीटर दूर रहकर भारतीय संस्कृति का प्रदर्शन कर रहीं छात्राओं की मुख्यमंत्री ने सराहना की। संबोधन के बाद उन्होंने बच्चियों के साथ फोटो भी खिंचवाई। इस दौरान सभागार 'योगी-योगी' के नारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम में वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, सलाहकार अवनीश अवस्थी और भारत की राजदूत नगमा एम. मलिक भी उपस्थित रहीं।

यीडा में 500 एकड़ में विकसित होगी जापान इंडस्ट्रियल सिटी

जापान पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री ने टोक्यो में रोड शो कर उद्योगपतियों और निवेशकों को उत्तर प्रदेश में निवेश का आमंत्रण दिया। उन्होंने बताया कि यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट के पास 500 एकड़ भूमि पर जापान इंडस्ट्रियल सिटी विकसित की जा रही है।

इस इंडस्ट्रियल सिटी का उद्देश्य जापानी उद्योगों को क्लस्टर आधारित निवेश, बेहतर कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स और निर्यात सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि उत्तर प्रदेश एशिया के प्रमुख औद्योगिक हब के रूप में उभरे।

सीएम योगी आदित्यनाथ

यूपी बना देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार

मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 करोड़ की आबादी वाला उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। पिछले नौ वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था और प्रति व्यक्ति आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

देश की 11 प्रतिशत कृषि भूमि के बावजूद उत्तर प्रदेश लगभग 21 प्रतिशत खाद्यान्न उत्पादन करता है। इससे फूड प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और एग्री-लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं।

मोबाइल से सेमीकंडक्टर तक निवेश के अवसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग का 55 प्रतिशत और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट उत्पादन का 60 प्रतिशत उत्तर प्रदेश में हो रहा है। डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर, वेयरहाउसिंग और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में भी निवेश की अपार संभावनाएं हैं।

प्रदेश के पास 75,000 एकड़ का लैंड बैंक उपलब्ध है, जबकि बुंदेलखंड क्षेत्र में 56,000 एकड़ में नया औद्योगिक शहर विकसित किया जा रहा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ

15 लाख करोड़ की परियोजनाएं जमीन पर

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि 2023 में आयोजित वढ ऋंड्ड' क्ल्लÞ२३ड्ड१२ र७३ 2023 में 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। इनमें से 15 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं जमीन पर उतर चुकी हैं,

एचडी कुमारस्वामी ने निर्माण उपकरण वित्त सम्मेलन में वित्तपोषण इकोसिस्टम पर प्रकाश डाला

प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन के तहत, भारत में निर्माण उपकरण वित्तपोषण ढांचे को मजबूत किया गया है

भारत के पूंजीगत व्यय से निर्माण उपकरण क्षेत्र वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर होगा : एचडी कुमारस्वामी

वित्त सम्मेलन में वैश्विक पहुंच के लिए घरेलू निर्माण पर जोर दिया गया

सरकार ने निर्माण उपकरण इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक उपाय शुरू किए

राष्ट्रपति ने शेगांव में राष्ट्रीय आरोग्य मेला 2026 का उद्घाटन किया

आयुष चिकित्सा प्रणालियों ने नागरिकों के स्वास्थ्य में अमूल्य योगदान दिया है: राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (25 फरवरी, 2026) महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के शेगांव में राष्ट्रीय आरोग्य मेला 2026 का उद्घाटन किया। उन्होंने आयुष स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले छह वरिष्ठ वैद्यों को भी सम्मानित किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि हमारी परंपरा में कहा गया है कि आरोग्य यानि समग्र स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा सुख है। देश को सशक्त बनाने में स्वस्थ नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। देशवासियों को स्वस्थ रखने में आयुष चिकित्सा पद्धतियों ने अमूल्य योगदान दिया है। योग, आयुर्वेद और सिद्ध जैसी प्रणालियां उस समय से लोगों की सेवा करती आ रही हैं जब आधुनिक चिकित्सा पद्धति का प्रचलन नहीं था।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे खेतों,

रसोई घरों और जंगलों में औषधीय पौधों और स्वास्थ्यवर्धक जड़ी-बूटियों का बहुमूल्य भंडार मौजूद है। इस बहुमूल्य संपदा का संरक्षण और संवर्धन औषधियों के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। औषधीय पौधों की खेती न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार करती है, बल्कि मृदा स्वास्थ्य और संरक्षण में भी योगदान देती है। इसलिए, आयुष पद्धतियों को बढ़ावा देने से न केवल लोगों का शारीरिक और आर्थिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि आयुर्वेद, योग और अन्य आयुष पद्धतियां स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने का मार्ग दिखाती हैं। आज विश्व रोगों की रोकथाम में एकीकृत चिकित्सा के महत्व को पहचान रहा है। दुनिया भर के लोग तनावमुक्त और स्वस्थ जीवन शैली के लिए योग अपना रहे हैं और आयुर्वेदिक उपचारों और दवाओं से लाभ उठा रहे हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि साक्ष्य-आधारित अनुसंधान, औषधियों का मानकीकरण और गुणवत्ता नियंत्रण जैसे कदम आयुष प्रणालियों की मान्यता और स्वीकृति को और बढ़ाएंगे। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आयुष मंत्रालय इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है। अनुसंधान और औषधि विकास के लिए सामान्य दिशानिर्देश अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप स्थापित किए गए हैं। आयुर्वेद, योग और अन्य आयुष पद्धतियों को आधुनिक स्वास्थ्य चुनौतियों के विश्वसनीय, वैज्ञानिक समाधान के रूप में स्थापित करने के लिए अनेक विज्ञान-सम्मत प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आधुनिक वैज्ञानिक क्रियाकलापों, नवाचारों और वैश्विक सहयोग के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को अधिक सुलभ और लोकप्रिय बनाकर, हम उन्हें समग्र स्वास्थ्य देखभाल पद्धति का अभिन्न अंग बनाने में सफल होंगे।

प्रधानमंत्री के 'अष्टलक्ष्मी' और राष्ट्रीय एकीकरण के विजन को आगे बढ़ाना

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अष्टलक्ष्मी दर्शन यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के 12वें बैच के साथ वर्चुअली बातचीत की राष्ट्रीय एकीकरण और सांस्कृतिक संगम को मजबूत करने के लिए युवाओं का जुड़ाव

(जीएनएस)।

केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (डीओएनईआर) मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने बुधवार को, अरुणाचल प्रदेश के राजीव गांधी विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के साथ वर्चुअली बातचीत की। ये विद्यार्थी 18 फरवरी से 3 मार्च, 2026 तक होने वाले अष्टलक्ष्मी दर्शन यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में हिस्सा ले रहे हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों का यह 12वां बैच है।

इस सत्र में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के सचिव, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव, और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय और पूर्वोत्तर परिषद के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

अष्टलक्ष्मी दर्शन विशेष यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम है जिसे पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय ने देश के अलग-अलग इलाकों के युवाओं के बीच राष्ट्रीय एकता को प्रगाढ़ करने और उनके बीच रिश्तों को मजबूत करने के लिए आयोजित और वित्त पोषित किया है। 14 दिन के गहन अनुभव के तौर पर डिजाइन किए गए इस कार्यक्रम में शैक्षिक सत्र, विरासत स्थलों की यात्रा, सांस्कृतिक आदान प्रदान और समुदाय चर्चा शामिल हैं।

इस पहल में 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 1,280 विद्यार्थियों के 32 बैच में हिस्सा लेने की योजना है, जिससे उन्हें पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्यों को जानने समझने का अवसर मिलेगा। यह कार्यक्रम लड़के और लड़कियों की बराबर हिस्सेदारी सुनिश्चित करता है, जो सरकार की समावेशी और युवा सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता को दिखाता है। 12वें बैच में झारखंड और पुडुचेरी से 20-20 विद्यार्थी शामिल हैं। अब तक, अलग-अलग राज्यों के 471 विद्यार्थी इस कार्यक्रम में हिस्सा ले चुके हैं।

कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए, श्री सिंधिया ने जोर दिया कि यह कार्यक्रम पूर्वोत्तर और शेष भारत के बीच विचारों, संस्कृतियों और उम्मीदों का सार्थक संगम बनाकर एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को दिखाता है।

पूर्वोत्तर के आठ राज्यों — अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम — को 'अष्टलक्ष्मी' बताते हुए, उन्होंने विद्यार्थियों को इस इलाके की भाषाओं, परंपराओं और विकास की संभावनाओं के बारे में समझ बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

मंत्री ने कहा, 'आप संगम के इस ताने-बाने को बुनने का हिस्सा हैं।' उन्होंने कहा कि इस तरह के आदान-प्रदान विविधता में एकता को बढ़ावा देते हैं और विकसित भारत 2047 के विजन में योगदान देते हैं।

हिंदी नागरिकों की चिंताओं को बेहतर ढंग से समझने और अपेक्षाकृत अधिक समावेशी लोक सेवा प्रदायगी को सक्षम बनाती है: डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर

दूरसंचार विभाग की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक नई दिल्ली में केंद्रीय संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। समिति ने दूरसंचार विभाग और उसके संबद्ध कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की। डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने कहा, हिंदी देश भर के करोड़ों नागरिकों के साथ जुड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में कार्य करती है।

(जीएनएस)।

दूरसंचार विभाग की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक आज, 25 फरवरी, 2026 को डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर, जनपथ, नई दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने की। बैठक में दूरसंचार विभाग और उसके अधीनस्थ, संबद्ध और स्वायत्त कार्यालयों के कार्यालय अध्यक्षों और गैर-सरकारी सदस्यों ने भाग लिया।

मंत्री जी ने वर्ष 2025 के दौरान उक्त कार्यालयों में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की व्यापक समीक्षा की और डिजिटल संचार सहित सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रगामी प्रयोग को गति प्रदान करने के उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई। सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव दिए।

प्रशासन, प्रशिक्षण, पत्राचार और हिंदी को बढ़ावा देने से दूरसंचार क्षेत्र में प्रशासनिक दक्षता और तकनीकी उन्नति को भी अवश्य बढ़ावा मिलेगा।

समिति के सदस्यों ने विभाग के दिन-प्रतिदिन के कामकाज में हिंदी के प्रयोग को और बढ़ाने के लिए रचनात्मक सुझाव दिए। अध्यक्ष ने आश्वासन दिया कि सभी व्यावहारिक सुझावों पर उचित कार्रवाई करने के लिए उनकी विधिवत जांच की जाएगी।

डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने कहा कि हिंदी देश भर के करोड़ों नागरिकों के साथ जुड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में कार्य करती है, जिससे सरकार उनकी चिंताओं, आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को बेहतर ढंग से समझ सकती है, और सार्वजनिक सेवाओं को अपेक्षाकृत अधिक प्रभावी ढंग से और समावेशी रूप से प्रदान कर सकती है।

सम्पादकीय

एआई इम्पैक्ट समिट में देश की बेइज्जती

दिल्ली पुलिस ने गत सप्ताह शुक्रवार को प्रगति मैदान में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकत्ताओं ने शर्ट उतारकर जो प्रदर्शन किया उसी के संबन्ध में संगठन के अध्यक्ष उदय भान चिब को मुख्य साजिशकर्ता करार देते हुए मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारी युवा कांग्रेस कार्यकताओं के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता के तहत अतिरिक्त धाराएं लगाई गईं हैं जिनमें धारा 196 यानि विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना और सद्भाव विरोधी हानिकारक वृत्य और धारा 197 यानि राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक बयान शामिल हैं। इन दोनों धाराओं में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार यदि आरोप सिद्ध हो जाए तो युवा कांग्रेस के इन कार्यकताओं को तीन-तीन साल की सजा हो सकती है। सच तो यह है गत सप्ताह सम्मेलन स्थल के हाल नम्बर 5 के अन्दर शर्ट उतारकर भारत सरकार और अमेरिका के बीच हुए अन्तरिम व्यापार समझौते के खिलाफ नारे छपी हुईं टी-शर्ट हाथ में लेकर विरोध प्रदर्शन किया था, जिसके बाद कर्मियों द्वारा उन्हें वहां से हटा दिया गया। लगता है कि राजनीतिक फायदे की ललक में युवा कांग्रेसी यह भूल गए कि उनका प्रदर्शन उस स्थान पर नहीं होना चाहिए था जहां उन्होंने किया। उन कार्यकताओं का दुराशय स्पष्ट था कि वे भारत को बदनाम करने के उद्देश्य से ही विदेशी आगन्तुक राष्ट्राध्यक्षों के सामने प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता भले ही इसे राष्ट्रीय हितों की रक्षा के उद्देश्य से किया गया शान्तिपूर्ण प्रदर्शन बताकर अपना बचाव करें किन्तु सच तो यही है कि इस प्रदर्शन को स्थान बदल कर किया जा सकता था। इससे संदेश यह गया कि जब एआई समिट के कारण भारत का मान बढ़ रहा था तो ईर्ष्याग्रस्त युवा कांग्रेसियों ने ऐसा तमाशा षड्यंत्र के तहत किया ताकि न सिर्प मोदी सरकार बदनाम हो बल्कि देश की भी छवि खराब हो। इसके पहले भी कांग्रेस इस तरह की हरकतें कर चुकी है जिससे स्पष्ट हो गया है पाटा के शीर्ष नेता प्रधानमंत्री मोदी से नाराज हैं इसलिए वह उनकी हर नीति एवं योजना का विरोध करती है। कांग्रेस मोदी का विरोध करते-करते इतना बहक जाती है कि वह पूरी तरह अपने राष्ट्रीय दायित्वों को ही भूल जाती है। बहरहाल इस बात में कोई संदेह नहीं है कि राजनीतिक पाटा होने के कारण कांग्रेस का दायित्व है कि वह सरकार के हर कार्य के प्रति देश की जनता को जागरूक करे और उसका अधिकार भी यही है कि वह सरकार को शोर मचाकर इस बात का एहसास कराए कि वैसे उसे अपना कार्य सावधानीपूर्वक करना चाहिए। विदेशी मामलों में तो सरकार को और ज्यादा जगाते रहने की जरूरत है। कारण कि विदेशी मामलों में संसद से अनुमति लेने का कोई प्रावधान या प्रथा दोनों ही नहीं है। विपक्ष के लिए आवश्यक है कि वह किसी विदेशी सरकार के साथ होने वाले समझौते के प्रति सजग रहे और सकारात्मक विरोध के अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों का समुचित निर्वहन करे किन्तु आज दुर्भाग्य इस बात का है कि कांग्रेस में ऐसे राजनेताओं का टोटा पड़ गया है जो विरोध प्रव्रिया का वैसे, कब और कहां व्रियान्वयन करना है, जानते ही नहीं। यही कारण है कि आज कांग्रेस की छवि वामपंथी पार्टियों से भी ज्यादा वामपंथी बन चुकी है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि युवा कांग्रेसियों पर जिस तरह से गैर जमानती धाराएं ठोंकी गईं हैं, वह सही मानी जा सकती हैं। संविधान के अनुच्छेद 19(1) बी में स्पष्ट रूप से इस बात का उल्लेख है कि कोई भी हथियार के बिना कहीं भी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करके अपनी असहमति व्यक्त कर सकता है। इसीलिए लगता है कि यदि युवा कांग्रेसियों को घाटनास्थल से हटाकर मामले को खत्म कर दिया जाता तो शायद ज्यादा अच्छा रहता। युवा कांग्रेसियों को भी पता है कि वह जिस भारत-अमेरिका व्यापार टैक्स सम्बन्धी समझौते के खिलाफ प्रदर्शन करने जा रहे हैं, उस समझौते का वास्तविक विवरण तो अभी आना बाकी है किन्तु उन्हें सरकार के खिलाफ एक विमर्श गढ़ने का निर्देश मिला है और वही वे कर रहे थे। आखिर युवा कांग्रेस के प्रदर्शन के समर्थन में देश की राजनीतिक पार्टियां भी नहीं हैं जो भाजपा का अपना विरोधी और कांग्रेस को अपना सहयोगी मानते हैं। लब्बोलुआब यह है कि पहले तो युवा कांग्रेस नेताओं ने नासमझी की और बाद में सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर गैर जनामती धाराएं जोड़कर मुकदमा दर्ज करा दिया।

ट्राई ने 2026 में आज अपनी स्थापना दिवस मनाया, इस अवसर पर समावेशी टीवी पहुंच और नेटवर्क स्लाइसिंग पर उच्च-स्तरीय विचार-विमर्श किया गया

(जीएनएस)।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ळफ्छ्अक) ने आज ट्राई दिवस 2026 का आयोजन किया, जो 20 फरवरी 1997 को ळफ्छ्अक की स्थापना के 29 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, उद्योग नेताओं, अकादमिक जगत और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिन्होंने भारत के डिजिटल संचार परिदृश्य को आकार देने वाले उभरते मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

यह उत्सव ळफ्छ्अक द्वारा इन सभी वर्षों में दूरसंचार और प्रसारण परिदृश्य को आकार देने में किए गए उत्कृष्ट कार्य की समीक्षा के साथ जुड़ा हुआ था। इसमें दो विषयों पर तकनीकी चचाएं भी हुईं: 'सभी घरों तक टीवी पहुंचाना: समावेशन के लिए नीति, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय रणनीतियां' तथा 'नेटवर्क स्लाइसिंग और नेट न्यूट्रैलिटी'।

कार्यक्रम की शुरूआत ळफ्छ्अक के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार लाहोटी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ हुई, जिसमें श्री रितु रंजन मित्तर, सदस्य (एम), डॉ. एम.पी. तंगिराला, सदस्य (टी) तथा प्रो. रंजन बोस, सदस्य (पीटी) की उपस्थिति में यह समारोह संपन्न हुआ।

स्वागत भाषण देते हुए, ळफ्छ्अक के सचिव श्री अतुल कुमार चौधरी ने 1997 में भारत के प्रतिस्पर्धी टेलीकॉम बाजार में संक्रमण के दौरान प्राधिकरण की स्थापना को याद किया और निष्पक्ष खेल, व्यवस्थित विकास तथा उपभोक्ता हितों की रक्षा सुनिश्चित करने में स्वतंत्र नियामक की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। श्री चौधरी ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में व्यापक रूप से सुलभ माध्यम के रूप में टेलीविजन की निरंतर प्रासंगिकता पर जोर दिया तथा सामाजिक समावेशन के लिए प्रसारण तक सार्वभौमिक पहुंच को अभिन्न बताया। उन्होंने नेटवर्क स्लाइसिंग सहित टेलीकॉम प्रौद्योगिकियों के तेजी से विकास का उल्लेख किया तथा उन्नत क्षमताओं के तैनाती के साथ खुलेपन को संरक्षित रखने तथा नेट न्यूट्रैलिटी के सिद्धांतों का पालन करने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्राधिकरण के सदस्यों ने ळफ्छ्अक की विकसित होती नियामक दर्शन तथा भारत के संचार पारिस्थितिकी तंत्र को सफलतापूर्वक तकनीकी संक्रमणों के माध्यम से निर्देशित करने में इसकी संस्थागत भूमिका पर भी चिंतन किया।श्री रितु रंजन मित्तर, सदस्य (एम), ने टेलीकॉम क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा तथा निवेश को बनाए रखने में बाजार-आधारित नियामक ढांचों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने पारदर्शी

परामर्श प्रक्रियाओं, शुल्क तर्कसंगतीकरण, स्पेक्ट्रम दक्षता तथा नवाचार प्रोत्साहन को किफायती बनाए रखते हुए क्षेत्रीय दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने नोट किया कि जैसे-जैसे नेटवर्क अधिक डेटा-गहन तथा सेवा-उन्मुख होते जा रहे हैं, नियामक चपलता तथा अनुमानितता निवेशक विश्वास तथा उपभोक्ता कल्याण बनाए रखना महत्वपूर्ण होता जायेगा।

डॉ. एम.पी. तंगिराला, सदस्य (टी), ने विशेष रूप से अगली पीढ़ी के नेटवर्क, एआई-सक्षम प्रणालियों तथा उन्नत स्पेक्ट्रम उपयोग के संदर्भ में नियमन के प्रौद्योगिकीय आयामों पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया दिया कि नियामक ढांचे को प्रौद्योगिकी नवाचार के साथ तालमेल बिठाना होगा, विशेषकर नेटवर्क स्लाइसिंग, सेवा गुणवत्ता (QoS), परस्पर संचालनीयता तथा डिजिटल बुनियादी ढांचे की लचीलापन जैसे क्षेत्रों में। उन्होंने मजबूत तथा सुरक्षित संचार नेटवर्क सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी मानकीकरण, साक्ष्य-आधारित नियमन तथा डेटा-चालित निगरानी को महत्वपूर्ण बताया।प्रो. रंजन बोस, सदस्य (अंशकालिक), ने विचार-विमर्श में शैक्षणिक तथा अनुसंधान दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उन्होंने नियामकों, अकादमिक जगत तथा उद्योग के बीच संस्थागत सहयोग के नवाचार पारिस्थितिक तंत्र को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 6ऋ अनुसंधान तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए अंतर-अनुशासनिक सोच तथा दूरदर्शी नियामक डिजाइन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने नियामक सैंडबॉक्स, पायलट पहल तथा अनुसंधान साझेदारियों को नए मॉडलों का परीक्षण करने तथा सार्वजनिक हित की रक्षा करने के प्रभावी साधनों के रूप में चिह्नित किया।श्री नीलकंठ मिश्रा, सदस्य (अंशकालिक), ने भारत की वृद्धि प्रक्षेपवक्र में टेलीकॉम तथा प्रसारण क्षेत्रों के व्यापक आर्थिक महत्व पर चिंतन किया। उन्होंने उत्पादकता वृद्धि, वित्तीय समावेशन तथा डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की रीढ़ के रूप में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने नेटवर्क विस्तार, फाइबर तैनाती तथा उभरती प्रौद्योगिकियों में दीर्घकालिक पूंजी आकर्षित करने में अनुमानित तथा विश्वसनीय नियमन की महत्वपूर्ण भूमिका नोट की। नवाचार को वित्तीय स्थिरता के साथ संतुलित करने के महत्व को रेखांकित करते हुए, उन्होंने नियामक स्पष्टता, कुशल पूंजी आवंटन तथा प्रतिस्पर्धी तटस्थता क्षेत्र को भारत की अग्रणी डिजिटल अर्थव्यवस्था बनने की महत्वाकांक्षा का समर्थन करने में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने एआई-चालित नेटवर्क, उपग्रह ब्रॉडबैंड तथा अगली पीढ़ी के डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसी नई प्रौद्योगिकियों के आर्थिक प्रभावों का आकलन करने में नियामक दूरदृष्टि की आवश्यकता पर भी बल दिया।

अपने उद्घाटन भाषण में, ळफ्छ्अक के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार लाहोटी ने प्राधिकरण की नियामक संस्था के रूप में भारत के टेलीकॉम तथा प्रसारण क्षेत्रों में समान अवसर क्षेत्र तथा व्यवस्थित विकास सुनिश्चित करने वाली भूमिका पर चिंतन किया। उन्होंने बताया कि आज कनेक्टिविटी फिक्स्ड लाइन, मोबाइल, ऑप्टिकल फाइबर तथा सैटेलाइट नेटवर्कों तक फैली हुई है, जो देश भर में सेवाएं सक्षम बना रही है। क्षेत्र के विकास के अगले चरण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 5G तथा भविष्य के 6G नेटवर्क जैसी प्रौद्योगिकी नेटवर्क वास्तुकला तथा सेवा वितरण को पुनर्परिभाषित कर रही हैं।

श्री वी. सोमन्ना ने 'कर्नाटक भारत गौरव ट्रेनः एक हजार तीर्थों की यात्रा' नामक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया

यह पुस्तक भारतीय रेलवे की सबसे प्रभावशाली सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्यटन पहलों में से एक समर्पित समृद्ध दृश्य और कथात्मक श्रद्धांजलि है : श्री वी सोमन्ना

(जीएनएस)।

केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना ने 23 फरवरी 2026 को रेल भवन में "कर्नाटक भारत गौरव ट्रेनः एक हजार तीर्थों की यात्रा" नामक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया।

श्री सोमन्ना ने कहा कि यह पुस्तक भारतीय रेलवे की सबसे प्रभावशाली सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्यटन पहलों में से एक समृद्ध दृश्य और कथात्मक श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि पुस्तक उस अग्रणी मॉडल के पीछे की भावना, दृष्टिकोण और सामूहिक प्रयास को खूबसूरती से दशार्ती है जो आस्था, संस्कृति, विरासत और आधुनिक रेल अवसंरचना को सहजता से एकीकृत करता है। इस उल्लेखनीय पहल की परिकल्पना और संचालन डॉ. अनुप दयानंद, आईआरटीएस (सेवानिवृत्त) द्वारा किया गया था।

श्री सोमन्ना ने कहा कि यह ऐतिहासिक है कि भारत गौरव योजना के तहत कर्नाटक के 30 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किफायती लागत पर काशी और अन्य पवित्र स्थलों की यात्रा करने के अपने जीवन भर के सपने को पूरा किया है।

यह पुस्तक ट्रेन को "भारत की चलती-फिरती गैलरी" के रूप में जीवंत रूप से प्रस्तुत करती है, जिसमें इसके सुविचारित डिब्बों, ट्रेन में उपलब्ध सुविधाओं, सुनियोजित आध्यात्मिक यात्राओं और यात्रियों के संपूर्ण अनुभव का विस्तृत वर्णन किया गया है। इसमें इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया है कि कैसे आराम, सुगमता और वहनीयता को प्राथमिकता दी गई, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और पहली बार तीर्थयात्रा करने वाले यात्रियों के लिए नीतिगत समर्थन और राज्य सब्सिडी के माध्यम से। मूल रूप से, यह पुस्तक भारत गौरव नीति के तहत कर्नाटक भारत गौरव ट्रेन की परिकल्पना, विकास और सफल कार्यान्वयन का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करती है।

कर्नाटक भारत गौरव ट्रेन

कर्नाटक भारत गौरव ट्रेन भारतीय रेलवे की भारत गौरव नीति के अंतर्गत एक प्रमुख तीर्थयात्रा पर्यटन पहल का प्रतिनिधित्व करती है। यह रेलवे को केवल परिवहन साधन से बदलकर पर्यटन, संस्कृति और आध्यात्मिक जुड़ाव को बढ़ावा देने वाले एक महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में स्थापित करती है। यह पहल "देखो अपना देश" और "एक भारत श्रेष्ठ भारत" जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों के अनुरूप है, जो साझा आध्यात्मिक अनुभवों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देती है।

काशी दर्शन, ज्योतिर्लिंग दर्शन, शक्ति पीठ यात्रा, दक्षिणा यात्रा, द्वारका यात्रा और पुरी जगन्नाथ यात्रा जैसी थीम आधारित यात्राओं के माध्यम से, यह ट्रेन कर्नाटक के तीर्थयात्रियों को भारत भर के प्रमुख आध्यात्मिक स्थलों से जोड़ती है। सर्व-समावेशी पैकेजों में रेल यात्रा, शाकाहारी भोजन, आवास, स्थानीय परिवहन, टूर गाइड और दर्शनीय स्थल शामिल हैं, जो एक सहज और गरिमापूर्ण अनुभव सुनिश्चित करते हैं।

नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 46 यात्राएं सफलतापूर्वक संचालित की गई हैं जिनमें 28,786 तीर्थयात्रियों ने यात्रा की है, जिससे भारतीय रेलवे को लगभग 25.57 करोड़ रुपये की आय हुई है और साथ ही समावेशी तीर्थयात्रा पर्यटन के व्यापक उद्देश्य को आगे बढ़ाया गया है।

रॉयल कलकत्ता टर्फ क्लब में आईएएफ और ईएसी कप रेस का आयोजन किया गया

(जीएनएस)।

प्रतिष्ठित भारतीय वायु सेना (आईएएफ) कप और पूर्वी वायु कमान (ईएसी) कप रेस का भव्य आयोजन 25 फरवरी 2026 को ऐतिहासिक रॉयल कलकत्ता टर्फ क्लब (आरसीटीसी) में किया गया। वर्ष 1996 में प्रारंभ हुई ये वार्षिक प्रतियोगिताएं भारतीय वायु सेना और आरसीटीसी के बीच मजबूत एवं दीर्घकालिक संबंधों का प्रतीक हैं।

वर्ष 1847 में स्थापित और साल 1912 में 'रॉयल' उपाधि से सम्मानित आरसीटीसी देश के सबसे प्रतिष्ठित घुड़दौड़ संगठनों में से एक है। तब से यह भारतीय वायु सेना की गौरवशाली विरासत और उल्लेखनीय योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से आईएएफ तथा ईएसी कप दौड़ों का नियमित आयोजन करता आ रहा है।

इस अवसर पर वायु सेना प्रमुख एपी सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और पूर्वी वायु कमान के वायु अधिकारी कमान प्रमुख आईएस वालिया के साथ विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इस वर्ष भारतीय वायु सेना कप का खिताब एंटनी राज एस ने अपने घोड़े 'अभिचंद्र' पर सवार होकर जीता, जो श्री विक्रम बछवात के स्वामित्व में है। वहीं, पूर्वी वायु सेना कप एमएस देवरा ने अपने घोड़े 'लगुना सेका' पर सवार होकर जीता, जो मेसर्स कैमहिल स्टड फार्म्स प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स सरायनागा रेसिंग प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व में है।

वायु सेना प्रमुख ने इस आयोजन की सराहना करते हुए इसे सौहार्द को प्रोत्साहित करने तथा रक्षा बलों और आम नागरिकों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम में सेना, नौसेना, भारतीय वायु सेना और तटरक्षक बल के वरिष्ठ अधिकारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली, जिसने भारत के सशस्त्र बलों के बीच एकता एवं समन्वय को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया। भारतीय वायु सेना बैंड के मनोहारी संगीत प्रदर्शन ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने पारदर्शी और त्वरित एनओसी अनुमोदन के लिए संशोधित राजमार्ग प्रवेश पोर्टल का शुभारंभ किया

(जीएनएस)।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने आज राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे ईंधन स्टेशनों, सड़क किनारे की सुविधाओं, निजी संपत्तियों, विश्राम परिसरों, संपर्क सड़कों और ऐसी अन्य सुविधाओं के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) आसानी से प्राप्त करने के लिए उन्नत राजमार्ग प्रवेश वेब पोर्टल का शुभारंभ किया।

सरकार की व्यापार सुगमता बढ़ाने की प्रतिबद्धता के अनुरूप, मंत्रालय ने अनुमति प्राप्त करने की प्रक्रिया को सरल, तेज और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए इस पोर्टल का विकास किया है। पोर्टल को http://rajmargpravesh.morth.gov.inप र एक्सेस किया जा सकता है।

नए राजमार्ग प्रवेश पोर्टल के

माध्यम से नागरिक, व्यवसाय और संगठन, राष्ट्रीय राजमार्गों से आने जाने तथा उसके आसपास निजी संपत्तियों, उद्योगों और राजमार्ग किनारे की सुविधाओं से सम्बन्धित अनुमतियों के लिए सरल तरीके से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस पोर्टल का उपयोग सरकारी और निजी संगठन राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ साथ या उसके आसपास पानी की पाइपलाइन, गैस पाइपलाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, विद्युत लाइनें और अन्य सेवाएं बिछाने की अनुमति प्राप्त करने के लिए भी कर सकते हैं।

नया पोर्टल अनुमोदन प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक, पारदर्शी और समयबद्ध बनाएगा, जिससे नागरिकों और व्यवसायों को समय और प्रयास बचाने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों में सचिव (सड़क परिवहन) वी उमाशंकर, महानिदेशक (सड़क परिवहन) और विशेष सचिव विनय कुमार राजवत, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव, राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक कृष्ण कुमार, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के सदस्य (प्रशासन) विशाल चौहान और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

भारत और स्वीडन ने एसआईटीएसी फ्रेमवर्क के माध्यम से एआई के क्षेत्र में साझेदारी को और भी अधिक मजबूत किया

इंडियाएआई मिशन और बिजनेस स्वीडन द्वारा स्वीडन-भारत टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कॉरिडोर (एसआईटीएसी) की स्थापना

एआई के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करना, व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना और जिम्मेदार, मापनयोग्य डिजिटल नवाचार को गति देना इस साझेदारी का उद्देश्य

(जीएनएस)।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान, इंडियाएआई मिशन और बिजनेस स्वीडन ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के साथ-साथ भारत और स्वीडन के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक आशय पत्र (एसओआई) पर हस्ताक्षर किए।

आशय पत्र कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े समाधानों के विकास, इस्तेमाल और उन्हें अपनाए जाने को लेकर सहयोग के लिए एक व्यवस्थित ढांचा प्रदान करता है, जिसमें वास्तविक औद्योगिक और सामाजिक परिणामों पर जोर दिया गया है। यह सहयोग भारत और स्वीडन के बीच दीर्घकालिक साझेदारी पर आधारित है और नवाचार, आर्थिक विकास और सतत विकास के लिए एआई का लाभ उठाने के साथ-साथ इससे जुड़े जोखिमों का समाधान करने में दोनों देशों की साझा राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को दशार्ता है।

इस साझेदारी के बारे में बात करते हुए इंडियाएआई मिशन की सीओओ सुश्री कविता भाटिया ने कहा, 'भारत और स्वीडन सिर्फ कृत्रिम बुद्धिमत्ता में साझेदार नहीं हैं, बल्कि हम मूल्य-आधारित, टिकाऊ और भरोसेमंद एआई भविष्य के सह-निमार्ता हैं। हमारा सहयोग पूरक शक्तियों और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों को दशार्ता है, जो दोनों देशों को वैश्विक तकनीकी परिवर्तन के अगले चरण को आकार देने के लिए तैयार करता है।'

भारत में स्वीडन की व्यापार और निवेश आयुक्त श्रीमती सोफिया होगमैन ने कहा, "इंडियाएआई के साथ यह आशय पत्र एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है, जो हमारे साझा रणनीतिक दृष्टिकोण को ठोस परिणामों में बदलता है। एसआईटीसी के माध्यम से, हम अपने इको-सिस्टम को जोड़ने और दोनों देशों के सर्वश्रेष्ठ एआई और डिजिटल तकनीक से जुड़े नवाचारों को एक साथ लाकर नए कारोबारी अवसर पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।"

दोनों देश मिलकर स्वीडन-भारत टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कॉरिडोर (एसआईटीएसी) नामक एक विशेष कार्यक्रम विकसित करेंगे। एसआईटीएसी दोनों देशों की सरकारी एजेंसियों, उद्योग जगत के हितधारकों, स्टार्टअप उद्यमों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सुनियोजित सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य करेगा।

एसआईटीसी के तहत, दोनों विभाग निम्नलिखित पहल करेंगे:

सम्मेलनों, सेमिनारों और विषयगत कार्यशालाओं का आयोजन

भारतीय और स्वीडिश एआई इको-सिस्टम के बीच आदान-प्रदान को सुगम बनाना

नवाचार केंद्रों और उत्कृष्टता केंद्रों के क्षेत्र भ्रमण

कंपनियों, निवेशकों, अनुसंधानकताओं और नीति निमार्ताओं के बीच संवाद

संयुक्त नवाचार मंचों और निवेश गलियारों के अवसरों की पहचान करना

प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में एआई समाधानों को दोनों पक्षों द्वारा अपनाए जाने को बढ़ावा देना

यह साझेदारी भारत एआई मिशन के उद्देश्यों को स्वीडन की औद्योगिक नवाचार, उन्नत अनुसंधान एवं विकास तथा जिम्मेदार एआई कार्यान्वयन की क्षमताओं के साथ जोड़ती है, जिसके तहत कंप्यूटिंग,

दूरसंचार अभियांत्रिकी केन्द्र ने दूरसंचार प्रौद्योगिकी एवं मानकीकरण गतिविधियों में संयुक्त अध्ययन और तकनीकी सहयोग के लिए आईआईटी खड़गपुर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में 6जी, एआई-सक्षम दूरसंचार प्रणाली, रेडियो, एंटीना और एमआईएमओ प्रौद्योगिकी, तथा उपग्रह और गैर-स्थलीय नेटवर्क (एनटीएन) शामिल हैं

यह सहयोग दूरसंचार क्षेत्र में स्वदेशी अनुसंधान, डिजाइन और विनिर्माण को मजबूत करके आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को आगे बढ़ाएगा

(जीएनएस)।

दूरसंचार विभाग (डीओटी) की तकनीकी शाखा, दूरसंचार अभियांत्रिकी केंद्र (टीईसी) ने उन्नत दूरसंचार प्रौद्योगिकियों और वैश्विक मानकीकरण गतिविधियों में संयुक्त अध्ययन, अनुसंधान और तकनीकी सहयोग करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर के साथ

समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस साझेदारी का उद्देश्य 6जी, ऑप्टिकल संचार, एनटीएन जैसी भविष्य की नेटवर्क प्रौद्योगिकियों में भारत-विशिष्ट मानक विकसित करना है, साथ ही पैसिव ऑप्टिकल नेटवर्क प्रौद्योगिकी, उन्नत एंटीना सिस्टम, 5जी और भविष्य के वायरलेस नेटवर्क के लिए एमआईएमओ प्रौद्योगिकी, ईएमएफ निगरानी समाधान जैसी दूरसंचार प्रौद्योगिकियों में सहयोग करना है। इस साझेदारी का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ का मानकीकरण क्षेत्र और अन्य वैश्विक मंचों में भारत की भागीदारी को बढ़ाना है।

टीईसी के डीडीजी (एफए) श्री कमल कुमार अग्रवाल डीओटी और, एसोसिएट डीन (आर एंड डी) प्रोफेसर देबदीप मुखोपाध्याय द्वारा निदेशक प्रोफेसर सुमन चक्रवर्ती, प्रोफेसर गौतम दास, डॉ. देबरावती सेन (आईआईटी खड़गपुर से) और श्री सौविक कुमार दास, डीडीजी (आरटीईसी) की उपस्थिति में आईआईटी खड़गपुर में समझौता ज्ञापन पर 23.02.2026 को हस्ताक्षर किए गए।

यह साझेदारी टीईसी को अगली पीढ़ी की दूरसंचार और मानकीकरण गतिविधियों पर आईआईटी खड़गपुर के साथ मिलकर काम करने के लिए एक औपचारिक ढांचा प्रदान करती है।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र:

6जी: 6जी आर्किटेक्चर और सक्षम तकनीकों की खोज, साथ ही आईटीयू जैसे वैश्विक मंचों में अनुसंधान, पूर्व-मानकीकरण और मानकीकरण गतिविधियों में योगदान।

एआई-सक्षम दूरसंचार प्रणाली: सार्वजनिक सुरक्षा और नियामक अनुपालन को बढ़ाने के लिए एआई और सेफ्टी लैब फ्रेमवर्क के माध्यम से स्मार्ट आईओटी सेंसर विकास सहित ईएमएफ निगरानी समाधानों का संयुक्त अनुसंधान एवं विकास और मानकीकरण।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

माहे रमजान में रोजा इफ्तार का दौर जारी, मौला बक्स कालोनी में अख़्तर सलमानी, अकबर सलमानी ओमान के द्वारा रोजा इफ्तार का आयोजन

सलोंनं, रायबरेली। नगर पंचायत सलोंन में माहे रमजान के पहले दिन से ही रोजा इफ्तार का दौर जारी है। इसी क्रम में आज मिल्कियाना पूर्वी वार्ड के मौला बक्स कालोनी में अख़्तर सलमानी,अकबर सलमानी ओमान के द्वारा रोजा इफ्तार का आयोजन हुआ। इस मुबारक मौके पर समाजसेवी पूर्व चेयरमैन प्रत्याशी मोहम्मद इरफान सिद्दीकी, सभासद मो.फिरोज इद्रीसी, पूर्व सभासद इसरार

हैदर(रानू), सभासद शरीफ (गड्डी), मो.जैद मेवाती, रईस इद्रीसी,आजम मेवाती ,तनवीर सलमानी, नदीम मेवाती , पापा सलमानी(जीएनएस)। अशरफ कुरैशी,

सैफ इद्रीसी, आफाक मछली वाले, आदि लोग सैकड़ों की संख्या में मौजूद रहे । इफ्तार के बाद नमाज अदा की गई, व मुल्क के अमन चैन की दुआएं की गई।

इंग्लैंड के आवाज एफएम 99.8 मेगाहर्ट्ज रेडियो स्टेशन से गायक आशीष शर्मा के गीत प्रसारित

प्रयागराज। नैनी, प्रयागराज निवासी युवा गायक आशीष शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी गायकी का परचम लहराया है। इंग्लैंड के साउथंपटॉन यूनाइटेड किंगडम स्थित प्रसिद्ध रेडियो स्टेशन आवाज ऋ्ट 99.8 टल्र९ से उनके दो गीतों का सफलतापूर्वक प्रसारण किया गया।

प्रसारित गीतों में पहला गीत 'अब क्या मिसाल दूं' तथा दूसरा लोकप्रिय गीत 'एक हसीन शाम को दिल मेरा खो गया' शामिल रहा। विदेश की धरती से भारतीय कलाकार की आवाज गूंजने पर क्षेत्रवासियों एवं संगीत प्रेमियों में खुशी और गर्व का माहौल है।

आशीष शर्मा ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने श्रोताओं, शुभचिंतकों एवं परिवार के सहयोग और आशीर्वाद को दिया। और बता दे कि आशीष शर्मा बिगेस्ट टीवी रियलिटी शो इंडियास आइकोनिक टैलेंट शो को भी जजिंग कर रहे हैं 2026 का ग्रांड फिनाले जज के रूप में होस्ट करेंगे

अंतरराष्ट्रीय रेडियो प्लेटफॉर्म पर गीत प्रसारित होना उनके संगीत जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

मस्जिद कोहना पीर बाबा इंदिरा नगर में पहले दौर की तरावीहं मुकम्मल

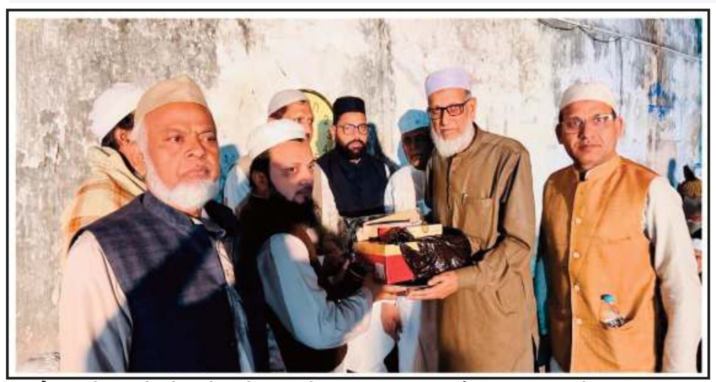

सैकड़ो लोगों ने देश में अमन चैन की दुआ मांगी

लखनऊ / मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी की जेरे में निगरानी में मस्जिद कोहना पीर बाबा इंदिरा नगर लखनऊ में आज तरावीह का पहला दौर मुकम्मल किया गया जिसमें बड़ी तादाद में नमाज़ियों ने हिस्सा लिया।

मस्जिद के सदर जनाब रियाज अहमद एवं जनरल सेक्रेटरी जनाब मुर्तजा. अली ने सहयोग के लिए प्रशासन के साथ-साथ नमाज़ियों का बेहद शुक्रिया अदा करते हुए इमाम साहब को नजराने के रूप में नगद एवं तोहफा देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी के सदर जनाब अहमद राजा नायक सदर मोहम्मद साबिर खान एवं जनरल सेक्रेटरी मुस्तकीम अहमद सिद्दीकी भी उपस्थित रहे। तरबीह मुकम्मल होने के बाद इमाम साहब द्वारा देश में अमन व चैन के लिए दुआएं मांगी गई,।

मेडिकल कालेज अस्पताल के दिल फेक चिकित्सक की चचाएं आम

हर हसीना को देखते ही दिल फेक चिकित्सक डालता है डोरे

कौशाम्बी। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल के एक दिल फेक आशिक मिजाज चिकित्सक की चचाएं आम है। हर हसीना को देखते दिल फेक डोरे डालने लगता है। अब तक दर्जनों हसीनाएं चिकित्सक की जाल में फस चुकी है। चिकित्सक की आशिकी के चचाएं पूरे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रही है।

स्वशासी राज्य चिकित्सा महा विद्यालय अस्पताल में बाल चिकित्सक स्पेशलिस्ट के पद पर तैनात एक दिल फेक चिकित्सक की चचाएं आम है। सूत्र बताते है कि चिकित्सक हर हसीना को देखते ही उस पर फिदा हो जाता है। साथ ही उन पर डोरे डालने लगता है। दिल फेक आशिक मिजाज चिकित्सक अब तक दर्जनों हसीनाओं को अपने जाल में फंसा चुका है। हालांकि कि कई बार अपनी इस आशिक मिजाजी के चलते उसको बेइज्जत भी होना पड़ता है।

बोले अफसर

ऐसी कोई शिकायत नहीं है। अगर शिकायत मिली तो कार्रवाई की जाएगी। डॉ० हरिओम सिंह प्राचार्य। रिपोर्ट पवन कुमार चारवा कौशांबी

बसपा के एकमात्र विधायक उमाशंकर सिंह के घर पर इनकम टैक्स की बड़ी रेड

लखनऊ. बहुजन समाज पार्टी के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ स्थित आवास पर आयकर विभाग की बड़ी छापेमारी हुई है. बुधवार सुबह गोमतीनगर स्थित उनके आवास और कार्यालय पर इनकम टैक्स की टीम ने दबिश दी. सूत्रों के अनुसार, छापे में 50 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं और भारी फोर्स तैनात है.

विधायक उमाशंकर सिंह बलिया जिले की रसड़ा विधानसभा सीट से बसपा के टिकट पर 2022 में चुने गए थे और वर्तमान विधानसभा में पार्टी के एकमात्र विधायक हैं. वे गंभीर रूप से कैंसर से पीड़ित हैं. उनके दो ऑपरेशन हो चुके हैं और फिलहाल वे लखनऊ के गोमतीनगर स्थित आवास में आइसोलेशन में रहकर इलाज करा रहे हैं. परिवार और डॉक्टरों के अनुसार, उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है.

राजनीतिक हलकों में हड़कंप

छापेमारी की खबर मिलते ही राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया. जानकारी के मुताबिक, आयकर टीम सुबह करीब 7 बजे तीन गाड़ियों में पहुंची और दस्तावेजों, रिकॉर्ड्स की जांच शुरू की. कार्रवाई के दौरान डॉक्टरों और नर्सों के आने-जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया, जिससे विधायक के परिवार में चिंता बढ़ गई. यह छापा ऐसे समय में हुआ है जब बसपा सुप्रीमो मायावती 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी हैं. उमाशंकर सिंह को पार्टी में काफी महत्वपूर्ण माना जाता है. पिछले साल मार्च में भी उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के आरोप में विजिलेंस विभाग ने जांच शुरू की थी, लेकिन इस छापे का सीधा संबंध उस जांच से जुड़ा है या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है.

तेज रफ्तार बस की टक्कर से किशोर छात्र की मौत, परिजनों का हंगामा

प्रयागराज जनपद के पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में साइकिल सवार किशोर छात्र की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ जुट गई और आक्रोशित परिजनों ने चक्का जाम करने का प्रयास किया।

मिली जानकारी के अनुसार गौसपुर गांव निवासी पवन पटेल साइकिल से कहीं जा रहा था। इसी दौरान पूरामुफ्ती थाना के समीप जीटी रोड पर तेज रफ्तार बस ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि छात्र ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए। गुस्साए लोगों ने जीटी रोड पर जाम लगाने की कोशिश की, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया और सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

साइबर धोखाधड़ी से सावधान रहें: रेलवे पेंशनभोगियों से जालसाजों से सतर्क रहने का आह्वान

कोई भी रेलवे अधिकारी सोशल मीडिया या कॉल के माध्यम से गोपनीय जानकारी नहीं मांगता है संदिग्ध कॉल या संदेशों की सूचना तुरंत पुलिस साइबर सेल और संबंधित प्रशासनिक कार्यालय को दें

(जीएनएस)।

यह बात सामने आई है कि कुछ साइबर जालसाज रेलवे अधिकारियों के नाम पर फर्जी फोन कॉल कर रहे हैं और एसएमएस/व्हाट्सएप संदेश भेज रहे हैं, जिसमें पीपीओ अपडेट, केवाईसी सत्यापन, अतिरिक्त पेंशन लाभ आदि के बहाने व्यक्तिगत और वित्तीय विवरण मांगे जा रहे हैं।

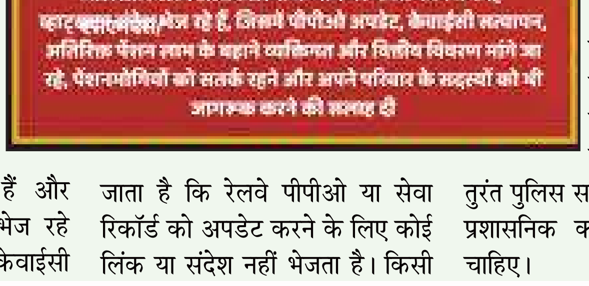

पेंशनभोगियों को सूचित किया जाता है कि रेलवे पीपीओ या सेवा रिकॉर्ड को अपडेट करने के लिए कोई लिंक या संदेश नहीं भेजता है। किसी भी रेलवे अधिकारी को फोन कॉल, एसएमएस, व्हाट्सएप या सोशल मीडिया के माध्यम से बैंक विवरण, ओटीपी, पासवर्ड या कोई भी गोपनीय जानकारी मांगने का अधिकार नहीं है।

पेंशनभोगियों को सतर्क रहने और अपने परिवार के सदस्यों को भी इस संबंध में जागरूक करने की सलाह दी जाती है। किसी भी संदिग्ध कॉल या संदेश की सूचना तुरंत पुलिस साइबर सेल और संबंधित प्रशासनिक कार्यालय को दी जानी चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मातृभाषा रत्न की मानद उपाधि से अलंकृत किए गए डॉ.ओमप्रकाश सिंह

(जीएनएस) ।कौशांबी

हर्रायपुर कौशांबी शब्द जब संवेदना से मिलते हैं तो भाषा जन्म लेती है और जब भाषा संस्कारों से जुड़ती है तो वह सभ्यता का स्वर बन जाती है। मातृभाषा केवल बोलचाल का माध्यम नहीं-वह स्मृतियों का घर,संस्कृति का आँगन और आत्मा की अनुगूँज है।मातृभाषा वह प्रथम स्पर्श है, जिससे मन बोलना सीखता है और आत्मा पहचान बनाती है।'21 फरवरी 2026,अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के पावन अवसर पर जनपद कौशाम्बी का नाम विशेष गौरव के साथ उच्चरित हुआ,जब प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ.ओमप्रकाश सिंह को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मातृभाषा रत्न की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया।

नेपाल की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था शब्द प्रवाह बहुभाषी सम्मान फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया यह सम्मान भाषा-साधना के प्रति समर्पित जीवन की स्वीकृति है।यह केवल एक प्रशस्ति-पत्र नहीं, बल्कि उस तपस्या का अभिनंदन है जिसमें शब्द साधे जाते हैं,अर्थ संवारे जाते हैं और पीढ़ियाँ प्रकाशित होती हैं जो अपनी भाषा में सोचता है, वही सच्चे अर्थों में स्वतंत्र सोचता है डॉ.ओमप्रकाश सिंह ने शिक्षा-जगत में हिन्दी को पाठ्यपुस्तकों की सीमाओं से मुक्त कर उसे व्यक्तित्व-निर्माण का आधार बनाया। उनके प्रयासों में भाषा केवल विषय नहीं रही-वह संवाद बनी,आत्मविश्वास बनी और संस्कार बनी। कौशाम्बी के विद्यालयों में सृजनात्मक लेखन,साहित्यिक गोष्ठियों और भाषाई गतिविधियों के माध्यम से उन्होंने विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति की निर्भीकता विकसित की उन्होंने कहा कि मातृभाषा में शिक्षा देना,बच्चों को उनकी जड़ों से जोड़ना है।उनकी मान्यता रही है कि भाषा में निहित संस्कृति ही शिक्षा को जीवन्त बनाती है। जब बालमन अपनी भाषा में विचार करता है,तो उसमें आत्मगौरव और स्वाभिमान की जड़ें स्वतः सुदृढ़ होती हैं।

जब शिक्षक भाषा को प्रेम से सींचता है,तब विद्यार्थी भविष्य को विश्वास से गढ़ता है।यह अंतरराष्ट्रीय अलंकरण केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं,बल्कि उस विचारधारा का अभिनंदन है जो वैश्विकता के मध्य भी अपनी जड़ों से जुड़े रहने का संदेश देती है। कौशाम्बी के शिक्षकवृंद विद्यार्थी और शिक्षा-परिवार इस उपलब्धि को सामूहिक साधना का प्रतिफल मान रहे हैं।डॉ.सिंह ने विनम्र स्वर में इस सम्मान को समस्त शिक्षकों, विद्यार्थियों और सहयोगियों को समर्पित करते हुए कहा. कि मातृभाषा हमारी पहचान की पहली ध्वनि है; जड़ें सशक्त होंगी तो भविष्य स्वयं सुदृढ़ होगा।वास्तव में-वैश्विक मंच पर वही सशक्त खड़ा होता है,जिसकी जड़ें अपनी मातृभूमि और मातृभाषा में गहरी हों।निस्संदेह,यह सम्मान कौशाम्बी की शैक्षिक गरिमा को नई ऊँचाइयों तक ले जाने वाला है। यह संदेश देता है कि जो अपनी भाषा का सम्मान करता है,विश्व स्वयं उसका सम्मान करता है।कौशाम्बी की धरती पर यह अलंकरण एक दीप की तरह प्रज्वलित है-जो आने वाली पीढ़ियों को मातृभाषा-प्रेम, सृजनशीलता और सांस्कृतिक स्वाभिमान के पथ पर अग्रेसित करता रहेगा।

होली व रमजान के त्यौहार को लेकर संदीपन घाट थाना प्रभारी ने पीएसी बल के साथ क्षेत्र में किया फ़्लैग मार्च

(जीएनएस) ।कौशांबी

हर्रायपुर कौशाम्बी संदीपन घाट थाना प्रभारी इंद्रदेव ने आगामी पर्व होली एवं रमजान माह को शांतिपूर्ण,सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से मूरतगंज,कशिया पूर्व,चिकवन के पूर्वा व आदि गांवों क्षेत्र एवं कस्बा में पीएसी बल के साथ फ्लैग मार्च किया इस दौरान पुलिस बल ने प्रमुख चौराहों, बाजारों एवं संवेदनशील स्थलों पर पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया। फ्लैग मार्च के माध्यम से आमजन में सुरक्षा का भरोसा कायम करते हुए असामाजिक तत्वों को स्पष्ट संदेश दिया गया कि कानून-व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होगा संदीपन घाट प्रभारी ने स्थानीय नागरिकों एवं व्यापारियों से संवाद स्थापित कर त्योहारों को आपसी भाईचारे,शांति एवं सौहार्द के साथ मनाने की अपील की। साथ ही आमजन से अनुरोध किया गया कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें,सोशल मीडिया पर भ्रामक अथवा आपत्तिजनक पोस्ट साझा न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दें।व इस मौके पर मूरतगंज चौकी प्रभारी कालिका प्रताप सिंह आदि पुलिस बल मौजूद रहे

सराय अकिल के बहुंगरी गांव में दर्दनाक सड़क हादसा,

फोरलेन निर्माण कार्य के दौरान ग्रेडर की चपेट में आए बुजुर्ग की मौके पर मौत

कौशांबी। थाना सराय अकिल क्षेत्र के बहुंगरी गांव के पास एयरपोर्ट से बौद्ध सर्किट तक बन रही फोरलेन सड़क पर बुधवार को एक हृदयविदारक सड़क हादसा हो गया। निर्माण कार्य में लगे भारी ग्रेडर ने एक बुजुर्ग को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बुजुर्ग ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सड़क निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा था। इसी दौरान ग्रेडर अचानक अनियंत्रित हो गया और पास से साइकिल से गुजर रहे बुजुर्ग उसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई और काम कुछ देर के लिए रोक दिया गया। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक वीर प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा ग्रेडर और उसके चालक को हिरासत में ले लिया।फिलहाल खबर लिखे जाने तक शव का शिनाख्त नहीं हो पाई है पुलिस मृतक की शिनाख्त कराने में जुटी है। घटना से ग्रामीणों में शोक के साथ-साथ निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों को लेकर सवाल भी उठने लगे हैं।

लखनऊ संग्रहालय में 'प्रागैतिहासिक भारत' पर व्याख्यान:प्रो. अनिल कुमार ने पाषाण युग के औजारों और जीवनशैली को समझाया

लखनऊ (जीएनएस)।

लखनऊ के राज्य संग्रहालय, लखनऊ में 'प्रागैतिहासिक भारत की संस्कृतियां' विषय पर एक रोचक और ज्ञानवर्धक व्याख्यान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश की ओर से कला अभिरूचि पाठ्यक्रम की व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत किया गया।जिसमें छात्रों को इतिहास के शुरूआती दौर को समझने का अवसर मिला।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य वक्ता प्रो. अनिल कुमार के स्वागत के साथ हुई। वे लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के विभागाध्यक्ष हैं। डॉ. मीनाक्षी खेमका ने उनका परिचय कराया और प्रतिभागियों को कार्यक्रम के महत्व से अवगत कराया।

लखनऊ के राज्य संग्रहालय, लखनऊ में ह्यप्रागैतिहासिक भारत की संस्कृतियांह्व विषय पर एक रोचक और ज्ञानवर्धक व्याख्यान का आयोजन किया।

लखनऊ के राज्य संग्रहालय, लखनऊ में ह्यप्रागैतिहासिक भारत की संस्कृतियांह्व विषय पर एक रोचक

और ज्ञानवर्धक व्याख्यान का आयोजन किया।

जब मनुष्य पत्थर के औजारों का उपयोग करता था

मुख्य वक्ता ने अपने व्याख्यान में प्रागैतिहासिक काल को मानव इतिहास का प्रारंभिक चरण बताते हुए विस्तार से समझाया कि यह वह समय था जब मनुष्य पत्थर के औजारों का उपयोग करता था, गुफाओं में रहता था और शिकार के जरिए जीवन यापन करता था। उन्होंने पाषाण युग के विभिन्न चरणों और उनके कलानुक्रम को सरल भाषा में समझाया।

समय के साथ मानव जीवनशैली और उपकरणों में बदलाव आया

चित्रों के माध्यम से उन्होंने उस दौर के ह्यहस्त कुठारह्व जैसे औजारों की बनावट, उपयोग और उनके विकास की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय के साथ मानव जीवनशैली और उपकरणों में बदलाव आया, जो सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत देता है। व्याख्यान के दौरान प्रागैतिहासिक गुफाओं और उनमें बने चित्रों का भी उल्लेख किया गया। उन्होंने कहा कि इन चित्रों में उस समय के जीवन, विश्वास और प्रकृति से जुड़ाव की झलक मिलती है। आज भी आदिवासी और जनजातीय संस्कृति में इन परंपराओं के कुछ अंश देखे जा सकते हैं।

कार्यक्रम के अंत में संग्रहालय के निदेशक डॉ. विनय कुमार सिंह ने मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त किया और प्रतिभागियों को ऐसे कार्यक्रमों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। संचालन डॉ. मीनाक्षी खेमका ने किया। इस अवसर पर संग्रहालय के अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

लखनऊ के हुसैनाबाद में बना देश का अनोखा हेरिटेज म्यूजियम, बिना पिलर की इमारत और अवध संस्कृति का भव्य अनुभव

लखनऊ के हुसैनाबाद में बना लखनऊ म्यूजियम ऑफ हेरिटेज एंड आर्ट 1 मार्च से आम जनता के लिए खुलेगा, जहां अवध की संस्कृति, कला, इतिहास और आधुनिक तकनीक का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

नवाबी शहर लखनऊ की ऐतिहासिक पहचान, कला, संस्कृति और गंगा-जमुनी तहजीब को एक ही छत के नीचे समेटने वाला लखनऊ म्यूजियम ऑफ हेरिटेज एंड आर्ट अब पूरी तरह तैयार हो चुका है। हुसैनाबाद क्षेत्र में विकसित यह अत्याधुनिक संग्रहालय 01 मार्च 2026 को लोकार्पित होने के बाद आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। यह म्यूजियम न केवल अवध की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत करेगा, बल्कि पर्यटन, कला संरक्षण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने का भी कार्य करेगा।

एलडीए की महत्वाकांक्षी परियोजना

लखनऊ विकास प्राधिकरण

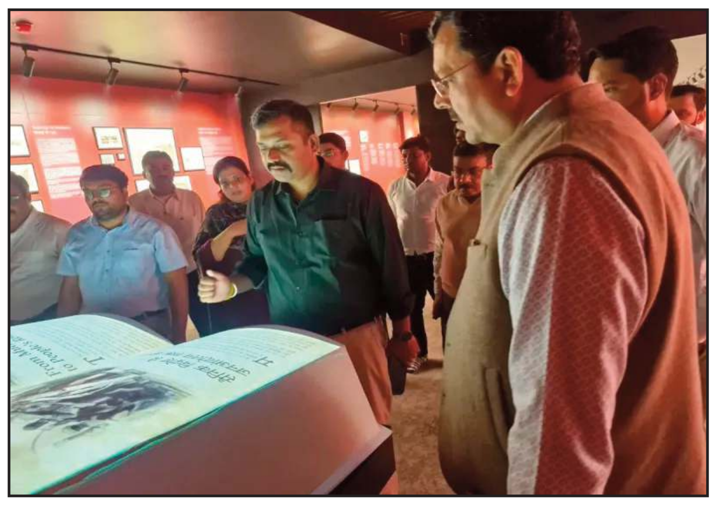

(एलडीए) द्वारा लगभग 4973 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विकसित इस म्यूजियम का निर्माण करीब 41.43 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। यह परियोजना राजधानी के सांस्कृतिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने संग्रहालय का निरीक्षण करते हुए भवन की संरचना, प्रदर्शनी दीघाओं, पर्यटक सुविधाओं तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को अंतिम तैयारियों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि यह म्यूजियम शासन की पर्यटन विकास नीति के अनुरूप तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य लखनऊ की ऐतिहासिक पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित करना है।

इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना: 45 मीटर लंबा कैंटीलीवर

लखनऊ म्यूजियम ऑफ हेरिटेज एंड आर्ट की सबसे बड़ी विशेषता इसकी अनोखी वास्तुकला है। यह प्रदेश की पहली ऐसी आईकॉनिक इमारत होगी, जहां बिना किसी कॉलम या पिलर के सहारे 45 मीटर लंबा कैंटीलीवर बनाया गया है। यह आधुनिक इंजीनियरिंग और आर्किटेक्चर का उत्कृष्ट उदाहरण है।

विश्व प्रसिद्ध बरसाना की लट्ठमार होली में चहुंओर बरसा गुलाल और रंग : हुरियारिनों की लट्ठ से खूब बचे हुरियारे

-पुलिस-प्रशासन की मुस्तैदी से सकुशल संपन्न हुई बरसाना की लट्ठमार होली

-चप्पे-चप्पे पर तैनात रही पुलिस फोर्स और मजिस्ट्रेट

मथुरा (जीएनएस)। बरसाना की विश्व प्रसिद्ध लट्ठमार होली शुरू होते ही श्रीधाम बरसाना की हवा सुबह से ही रंगों से भर गई थी। बरसाना में सुबह से ही कई जगहों पर बड़ी संख्या में भक्त गुलाल से खेलते और ढोल-नगाड़े की धुन पर नाचते रहे। नन्दगांव के हुरियारों का पीली पोखर (तालाब) पर स्वागत किया गया। वह भगवान श्रीकृष्ण के प्रतीक के तौर पर एक झंडी लिए हुए थे। उन्हें श्रीजी के निज महल राधारानी मंदिर ले जाया गया, जहां औपचारिक स्वागत के बाद समाज गायन किया गया। इस बारे में जानकारी देते हुए राधारानी मंदिर के सेवायत माधव कृष्ण गोस्वामी ने कहा कि राधारानी मंदिर के गोस्वामी अलग-अलग रस्मों के बीच मेहमानों पर रंग और रंगीन पानी फेंकते रहे। समाज गायन खत्म करने के बाद, वह लट्ठमार होली खेलने के लिए रंगीली गली, फूल गली और सुदामा चौक पर आते हैं। श्री गोस्वामी ने कहा कि बरसाना के गोस्वामी समुदाय की महिलाएं नन्दगांव के पुरुषों को लाठियों से मार रही थीं और वह ढाल की मदद से अपने को बचा रहे थे। की टन गुलाल को हवा में उड़ाया गया। हुरियारों और भक्तों पर अलग-अलग रंगों का गुलाल लगा था। माधव कृष्ण गोस्वामी ने कहा कि प्रसाद के तौर पर गुजिया और छप्पन भोग और पुआ (मीठी पूरी) चढ़ाए गए। पूरे इलाके को मजिस्ट्रेट और पुलिसकर्मियों के साथ जोन और सेक्टर में बांटा गया था। एक डिटेल्ड ट्रैफिक प्लान बनाया गया था। इस संबंध में एसएसपी श्लोक कुमार ने कहा कि इलाके में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि भीड़ को बेहतर तरीके से मैनेज करने के लिए होल्डिंग एरिया और पब्लिक एड्रेस सिस्टम का प्रयोग किया गया। पुलिस-प्रशासन की मजबूत तैयारी और मुस्तैदी के चलते विश्व प्रसिद्ध लट्ठमार होली सकुशल संपन्न होने पर ब्रज के लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, एएसपी राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में एसजीपीयू की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

(जीएनएस) ।कौशांबी

कौशाम्बी। जनपद में बाल संरक्षण से जुड़े मामलों की प्रभावी मॉनिटरिंग और त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से 25 फरवरी 2026 को दुर्गा भाभी सभागार, पुलिस कार्यालय कौशाम्बी में अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 107 के अंतर्गत गठित विशेष किशोर पुलिस इकाई (SJPU) की मासिक समीक्षा एवं समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जनपद में बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति एवं बाल विवाह की रोकथाम को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। एएसपी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि ऐसे मामलों में तत्काल संज्ञान लेते हुए कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ।साथ ही POCSO अ‍ॅक्ट से संबंधित प्रकरणों की गहन समीक्षा करते हुए उन्होंने गुणवत्तापूर्ण विवेचना, पीड़ित बच्चों की सुरक्षा तथा समयबद्ध न्यायिक प्रक्रिया पर विशेष बल दिया। जनपद में गुमशुदा बच्चों के पंजीकृत एवं लंबित प्रकरणों की स्थिति का आंकलन करते हुए उन्होंने शीघ्र बरामदगी और निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त जे.जे. एक्ट के प्रावधानों एवं न्यायालय/संबंधित प्राधिकरणों के आदेशों के प्रभावी अनुपालन पर भी जोर दिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने जागरूकता अभियान चलाकर आमजन, विद्यालयों और अभिभावकों को बाल सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाने के निर्देश दिए, ताकि अपराध की रोकथाम जमीनी स्तर पर हो सके। बैठक में प्रभारी एएचटीयू, प्रभारी एसजेपीयू, महिला सेल में नियुक्त अधिकारी/कर्मचारी, जनपद के समस्त थानों में नियुक्त बाल कल्याण पुलिस अधिकारी एवं सहायक बाल कल्याण पुलिस अधिकारी, सीडब्ल्यूसी सदस्य, जे.जे.बी. सदस्य, बाल संरक्षण अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, वन स्टॉप सेंटर तथा चाइल्ड लाइन के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के माध्यम से जनपद कौशाम्बी में बाल सुरक्षा के प्रति पुलिस प्रशासन की सक्रियता और गंभीरता एक बार फिर स्पष्ट रूप से सामने आई।

जिन्दगी बदलने वाले रहस्यों की कहानी है फिल्म ' द वार्डरोब ' : ज्योति राज गवाली

सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म ' द वार्डरोब ' 24 अप्रैल को रिलीज होगी

लखनऊ। राज गवाली प्रोडक्शन ने बॉलीवुड सुपरनैचुरल थ्रिलर द वार्डरोब का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया, जो आगामी 24 अप्रैल को रिलीज होगी सौरभ चौबे द्वारा निर्देशित हॉरर-आधारित फिल्म में दिव्या अग्रवाल और रजनीश दुग्गल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण ज्योति राज गवाली ने किया है, जबकि सह-निमार्ता राज गवाली हैं।

अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल इस फिल्म के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। वह बिग बॉस ओटीटी और एमटीवी ऐस ऑफ स्पेस की विजेता रह चुकी हैं। दिव्या ने कहा कि फिल्म मेरे लिए एक अभिनेत्री के रूप में चुनौतीपूर्ण रही। इसकी कहानी बेहद रोमांचक और रहस्यमयी है, और मैं चाहती हूं कि दर्शक इसे बड़े पर्दे पर अनुभव करें।

पोस्टर में फिल्म का शीर्षक द वार्डरोब गहरे लाल रंग में उभरकर सामने आता है, जो इसकी हॉरर थीम को और मजबूत बनाता है। साथ ही पोस्टर में फिल्म की रिलीज डेट 24 अप्रैल, 2026 की घोषणा भी की गई है अभिनेता रजनीश दुग्गल ने कहा कि जैसे ही मैंने स्क्रिप्ट सुनी, मुझे लगा इसमें कुछ अलग है। यह फिल्म सस्पेंस और मनोवैज्ञानिक तत्वों का अनोखा मेल है, और पोस्टर सिर्फ इसकी एक झलक भर है।

निमार्ता ज्योति राज गवाली ने बताया कि द वार्डरोब केवल डर की कहानी नहीं है, बल्कि उन रहस्यों की कहानी है जो जिंदगी बदल सकते हैं। हम चाहते थे कि फर्स्ट लुक में ही इसकी तीव्रता और रहस्य झलकें।

इस साल का पहला चन्द्र ग्रहण पड़ेगा तीन मार्च को : पूवार्फाल्गुनी नक्षत्र सिंह राशि में ग्रस्तोदित लगेगा चन्द्र ग्रहण

मथुरा ब्यूरो। (मुकेश कुशवाह) इस वर्ष का पहला चंद्र ग्रहण आगामी 3 मार्च को फाल्गुन पूर्णिमा पर पूवार्फाल्गुनी नक्षत्र सिंह राशि में ग्रस्तोदित चन्द्र ग्रहण लगेगा। इस संबंध में जानकारी देने के उद्देश्य से दीपक ज्योतिष भागवत संस्थान द्वारा मंथन गोष्ठी की गई। जिसमें संस्थान के निदेशक ज्योतिषाचार्य पंडित कामेश्वरनाथ चतुवेर्दी ने बताया कि फाल्गुन पूर्णिमा को वर्ष 2026 का प्रथम चन्द्र ग्रहण आगामी 3 मार्च को मध्याह्न 3 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगा और सायं 6 बजकर 47 मिनट पर मोक्ष होगा। ग्रहण से 9 घंटे पूर्व सूतक काल प्रारंभ हो जाएगा। इस मौके पर आचार्य ब्रजेन्द्र नागर और ज्योतिषाचार्य पंडित दीपक चतुवेर्दी ने कहा कि यह ग्रहण सम्पूर्ण एशिया, आस्ट्रेलिया, अंटार्कटिका, उत्तरी तथा दक्षिणी अमेरिका एवं रुस में 15.20 से 18.47 तक दिखाई देगां परंतु भारत में यह ग्रहण अधिकतम 24 मिनट तक मोक्ष के रूप में दिखाई देगा। इस बीच गोष्ठी में साहित्याचार्य शरद चतुवेर्दी और ज्योतिषाचार्य पंकज चतुवेर्दी तथा सौरभ शास्त्री ने कहा कि चन्द्र ग्रहण पर शास्त्रोक्त नियमों का पालन करना चाहिए तथा सूतक काल में आचार विचार को ध्यान में रखें और ग्रहण के समय भगवान का जाप करें। उन्होंने कहा कि वृद्ध और बीमार लोगों को छोड़कर सभी को सूतक काल में खानपान से बचना चाहिए। ग्रहण मोक्ष होने के बाद स्नान आदि करके घर की शुद्धि करें। इस अवसर पर मनोज पाठक, मनीष पाठक, निरंजन शास्त्री, ऋषभ देव और गोविंद देव आदि ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि चन्द्र ग्रहण में विशेषकर गर्भवती महिलाओं को सावधानी रखनी चाहिए और जिनकी कुंडली में चन्द्र की महादशा या अंतर्दशा चल रही है, उनको भी सावधानी बरतनी चाहिए।

होली से पहले सड़कों को चमकाने में लगा हुआ नगर निगम : नगर आयुक्त ने निरीक्षण करके दी हिदायत

मथुरा ब्यूरो। श्रीकृष्ण की नगरी में रंगोत्सव होली से पहले नगर निगम प्रशासन ने शहर की सड़कों को सुधारने के लिए तेजी से कार्य शुरू करा दिया है। कार्यों की तेजी और गुणवत्ता को परखने के लिए नगर आयुक्त जग प्रवेश ने बुधवार को प्रमुख तिराहों और चौराहों पर चल रहे विकास कार्य एवं सौंदर्यीकरण का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने साफ कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। इसी के साथ सभी कार्यों को होली से पहले पूरा करने के निर्देश दिए हैं। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने मछली फाटक, स्टेट बैंक चौराहा, कंकाली देवी मंदिर मार्ग और भूतेश्वर तिराहा पर पहुंच कर विकास कार्यों को परखा। स्थलीय निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यों की समीक्षा की। नगर आयुक्त ने पैदल चलने वालों की सुविधा के लिए सड़क किनारे पक्की टाइल, शहर को हरा-भरा दिखाने के लिए पौधरोपण, दीवारों पर ब्रज की संस्कृति को उकेरती हुई चित्रकारी, धूल और गंदगी से मुक्ति के लिए कच्चे पैच को पक्का करने के निर्देश दिए। इस बीच निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त जग प्रवेश ने निर्माण ही नहीं बल्कि सड़कों पर भी विशेष ध्यान दिया। इस दौरान नगर आयुक्त ने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रमुख मार्गों और चौराहों पर लगातार अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सड़कों पर अवैध कब्जे बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे, जिससे कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय जनता को जाम की समस्या से जूझना न पड़े। इस बीच नगर आयुक्त ने कार्यदायी संस्थाओं और संबंधित अधिकारियों को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि होली का त्यौहार समीप है, इसलिए कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि अगर कार्यों में शिथिलता या लापरवाही मिली तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, अधिशासी अभियंता निर्माण अमरेंद्र गौतम और अवर अभियंता इमरान समेत नगर निगम की टीम मौजूद रही। इस संबंध में नगर आयुक्त जग प्रवेश ने कहा कि उनकी प्राथमिकता मथुरा में आने वाले श्रद्धालु व पर्यटकों के लिए सुदृढ़ व्यवस्था एवं सुंदर बनाना है। उनका कहना है कि गुणवत्ता मानकों के अनुरूप निर्धारित समय में यह कार्य पूरे कराना उनकी प्राथमिकता है।

मजदूर की हत्या करने वाले एक हत्यारोपी को पुलिस ने दबोचा : मजदूरी के पैसे मांगने पर की थी मजदूर की हत्या, बीच-बचाव करने पहुंचे मृतक के साथी मजदूर को भी कर दिया था मरणासन्न

मथुरा (जीएनएस)। थाना सदर बाजार क्षेत्र स्थित वाटरवर्क्स पुलिया के पास से पुलिस ने मजदूर की हत्या करने वाले एक हत्यारोपी को दबोच लिया। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन एवं एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी सदर बाजार पुलिस सुधीर कुमार पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में दबिशें दे रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि मजदूर की हत्या करके फरार चल रहा एक हत्यारोपी कहीं भागने की फिराक में यमुना किनारे वाटरवर्क्स पुलिया के पास खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुधीर कुमार और एसआई रामअवतार पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस की गाड़ी को देखते ही वहां खड़ा हत्यारोपी भागने लगा। पुलिस टीम ने भागने का प्रयास कर रहे कल्ला पुत्र सुम्मेरा उर्फ सुमेरी निवासी दामोदरपुरा थाना सदर बाजार को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए हत्यारोपी की निशानदेई से घटना में प्रयुक्त लोहे का सरिया बरामद कर लिया। बताते चलें कि विगत 23 फरवरी की रात करीब 9 बजे हरिओम निवासी दामोदरपुरा और उसका पड़ोसी मनोज, मजदूरी के पैसे मांगने के लिए गए थे। वहां शराब के नशे में धुत कल्ला पुत्र सुम्मेरा, सुरेश पुत्र कल्ला, जीतेन्द्र पुत्र बिजेन्द्र और उमाशंकर पुत्र परसा निवासीगण दामोदरपुरा थाना सदर बाजार ने मजदूरी के पैसे मांगने पर मृतक हरिओम से गाली-गलौज कर दी थी। विरोध करने पर नामजदों ने मजदूर हरिओम पर लाठी-डंडों और सरिया से हमला कर दिया था। उस दौरान बीच-बचाव कर रहे हरिओम के साथी मनोज को भी हमला करके मरणासन्न कर दिया था। नामजदों के हमले में गंभीर घायल हुए मजदूर हरिओम की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी और उसके साथी व पड़ोसी मनोज को गंभीर हालत में एसएन मेडीकल कॉलेज आगरा रैफर कर दिया था। पुलिस उसी समय से फरार हत्यारोपियों को गिरफ्तार करने के लिए दबिशें दे रही थी। पुलिस ने पकड़े गए हत्यारोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

भाजपा की डबल इंजन सरकार के दावे निकले हवा-हवाई

कीचड़ से शवयात्रा निकालने को मजबूर हुए ग्रामीण : मथुरा में एकक्षत्र राज कर रही भाजपा, तब भी विजयगढ़ी में नरकीय जीवन जी रहे ग्रामीण

मथुरा (जीएनएस)। भाजपा की डबल इंजन सरकार बड़े-बड़े दावे करते हुए विकास कार्यों का बखान करती है, लेकिन जनपद की मांट विधानसभा क्षेत्र के गांव विजयगढ़ी की हालत ने भाजपा सरकार के दावों की हवा निकाल दी है। गांव विजयगढ़ी के मुख्य मार्ग पर डबल इंजन सरकार का विकास तो नहीं दिखा लेकिन वहां गंदगी और कीचड़ के बीच से शवयात्रा निकालने को मजबूर हुए ग्रामीणों में भारी आक्रोश पनप गया है। वैसे तो मथुरा में भाजपा के दिग्गज नेताओं का बड़ा खेमा है, इसके बावजूद भी ग्रामीण नरकीय जिंदगी जैसी जिंदगी गुजार रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि बात मथुरा से सिने तारिका हेमा मालिनी सांसद हैं, तेजवीर सिंह राज्यसभा सांसद हैं, रालोद के एमएलसी योगेश नौहवार, मांट से भाजपा विधायक राजेश चौधरी और जिला पंचायत अध्यक्ष भी भाजपा के किशन चौधरी हैं। भाजपा के यह सभी नेता सत्ता में हैं और उसी क्षेत्र के एक गांव का श्मशान स्थल तक जाने के लिए रास्ता भी नहीं है। आक्रोशित ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव के समय वादे करने वाले यह नेता, अब वादे से मुकर चुके हैं। हाल ही में गांव विजयगढ़ी में हुई एक मृत्यु ने भाजपा की डबल इंजन सरकार के विकास की पोल खोल दी है। गांव विजयगढ़ी में व्यवस्था के अनुसार न तौ श्मशान घाट है और न ही वहां तक जाने का रास्ता ही बनाया गया है। गांव में एक मृत्यु होने के बाद परिजनों को मजबूरन अर्थी को कीचड़ और गंदे पानी से लेकर जाना पड़ा। आक्रोशित ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने तहसील से लेकर जनपद के उच्चाधिकारियों को कई बार लिखित शिकायत की लेकिन अधिकारियों ने किसी की सुनी। इस गांव में नेता केवल वोट के समय मुंह दिखाते पहुंचते हैं।

कलर्स के 'नागिन 7' का हिस्सा बनने और टेलीविजन की सबसे मशहूर फैंटेसी फ्रैंचाइजी में कदम रखने पर कनिका मान

हर गुजरते एपिसोड के साथ, कलर्स का 'नागिन 7' जबरदस्त ट्विस्ट, तीखी बहस और तूफान के बीच प्रियंका चाहर चौधरी की दमदार मौजूदगी से दर्शकों को बांधे रखता है। इस सीजन ने फैंटेसी यूनिवर्स को और भी अंधेरे और अनप्रेडिक्टेबल इलाके में धकेल दिया है, जहाँ वफादारी बदलती है और हर खुलासा पावर बैलेंस को बदल देता है। जैसे-जैसे ड्रामा बढ़ता है, कहानी अब कनिका मान की एक अहम भूमिका के साथ दिलचस्प मोड़ लेने के लिए तैयार है, जो मौजूदा समीकरणों को बिगाड़ने और मुश्किल बनाने का वादा करती है। एक अहम मोड़ पर इस हाई-वोल्टेज कहानी में कदम रखते हुए, कनिका अपने साथ एक ऐसा किरदार लेकर आई हैं जो साज़िश और शांत तेजी से भरा है, ऐसा किरदार जो आसान परिभाषाओं में फिट नहीं बैठता। कनिका मान, जो एक दमदार नए अवतार में नागिन 7 में एंट्री कर रही हैं, इस मशहूर फैंटेसी फ्रैंचाइजी का हिस्सा बनने और इसके अब तक के सबसे रहस्यमयी किरदारों में से एक को निभाने पर अपने विचार शेयर करती हैं।

1. नागिन टेलीविजन की सबसे आइकॉनिक फ्रैंचाइज में से एक है। इस स्टेज पर नागिन 7 से जुड़कर कैसा लग रहा है?

अ. सच में यह अजीब लगता है क्योंकि नागिन सिर्फ. एक और शो नहीं है; यह एक ऐसी चीज है जिसने सालों से इंडियन टेलीविजन पर फैंटेसी स्टोरीटेलिंग को आकार दिया है। आप इस तरह की फ्रैंचाइज देखते हुए बड़े होते हैं और कभी नहीं सोचते कि एक दिन आप खुद उस यूनिवर्स में कदम रखेंगे। मैंने हमेशा बालाजी टेलीफिल्म्स और एकता मैम की स्टोरीटेलिंग की तारीफ की है, और जब से मैं मुंबई आई, मुझे उम्मीद थी कि मुझे उनके साथ कोलेबोरेट करने का मौका मिलेगा। इसलिए जब कहानी में इतने जरूरी मोड़ पर मौका आया, तो यह सच में मेरी जर्नी में एक फुल-सर्कल मोमेंट जैसा लगा। इस तरह के इतिहास वाले शो का हिस्सा बनना आपको हर दिन अपनी परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने के लिए मोटिवेट करता है, क्योंकि नागिन सिर्फ. एक शो नहीं है जिससे आप जुड़ते हैं, यह एक लेगेसी है जिसमें आप कदम रखते हैं, और यह ज़िम्मेदारी मुझे एक्साइट करती है।

2. आने वाले ट्रैक में अपने कैरेक्टर के बारे में बताएं।

अ. मैं राधिका का रोल कर रही हूँ, और नरेशन के बाद जो बात मेरे दिमाग में रही, वह यह थी कि वह कितनी अनप्रेडिक्टेबल है। उसकी जर्नी कैसे आगे बढ़ती है, यह सुनकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए क्योंकि वह सही या गलत की सिंपल कैटेगरी में काम नहीं करती, वह ऐसे शेड्स में चलती है जो बदलते रहते हैं। उसमें एक इंटेंसिटी है, एक प्रेजेंस है जिसे खुद को अनाउंस करने की जरूरत नहीं है। जैसे-जैसे ट्रैक आगे बढ़ेगा, ऑडियंस धीरे-धीरे उसकी पर्सनैलिटी के नए पहलुओं को देखेगी और महसूस करेगी कि सतह के नीचे जो पहली नजर में दिखता है, उससे कहीं ज्यादा है। राधिका एक मिस्ट्री है जो लेयर दर लेयर खुलेगी, और उसके बारे में कुछ भी वैसा नहीं है जैसा पहली नजर में लगता है।

3. नागिन के साथ माइथो-फैंटेसी की दुनिया में कदम रखने के बारे में आपको सबसे ज्यादा क्या एक्साइटेड लगा?

अ. जिस बात ने मुझे सच में एक्साइटेड किया, वह यह थी कि नागिन सेफ या प्रेडिक्टेबल नहीं लगी। मैं खुद से बहुत कॉम्पिटिटिव हूँ, और मैं कभी भी वह रिपीट नहीं करना चाहती जो मैंने पहले ही कर लिया है, मैं चाहती हूँ कि हर नया प्रोजेक्ट मुझसे और ज्यादा डिमांड करे। जब मैंने नरेशन सुना, तो मुझे एहसास हुआ कि यह एक ऐसी दुनिया है जहाँ हर कदम का अपना वजन होता है और हर इमोशन का अपना नतीजा होता है, और इस तरह की इंटेंसिटी आपको एक परफॉर्मर के तौर पर चैलेंज करती है। स्केल बड़ा है, ड्रामा बढ़ा हुआ है, और आप इस तरह की दुनिया में आराम के पीछे नहीं छिप सकते। किसी मुश्किल काम में कदम रखने का वह रोमांच ही मुझे खींचता है, क्योंकि अगर कोई रोल मुझे थोड़ा भी डराता नहीं है, तो वह मुझे एक्साइट नहीं करता।

4. क्या आपने इस दमदार रोल के लिए कोई खास तैयारी की थी?

अ. सच कहूँ तो, मेरी तैयारी उसी पल शुरू हो गई थी जब मैंने नरेशन सुना, क्योंकि मुझे एहसास हुआ कि राधिका ऐसी इंसान नहीं है जिसे आप तुरंत समझ सकें। मैं सोचती रही कि उसके फैसले क्या तय करते हैं, उसके रिएक्शन क्या होते हैं और वह इमोशनली चार्ज्ड सिचुएशन को कैसे प्रोसेस करती है। ऊपरी डिटेल्स पर फोकस करने के बजाय, मैं उसकी चॉइस पर सवाल उठाती रही और खुद को उसके हालात में रखकर देखती रही कि मैं कैसे रिस्पॉन्ड करूँगा। मैं उन मौकों को कभी मना नहीं करती जो मुझे चैलेंज करते हैं, और राधिका के साथ असली काम उसकी बदलती सोच और एनर्जी के प्रति अलर्ट रहना था। आपको लग सकता है कि आप एक सीन में राधिका को समझ गए हैं, और वह अगले ही सीन में आपको सरप्राइज कर देगी।